शासकीय डॉ० वा० वा० पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जेल रोड, केन्द्रीय विद्यालय के पास, दुर्ग (छ.ग.)

एलुमनी

डॉ. रेश्मा लाकेश
संयोजक
एलुमनी

डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी
प्राचार्य
शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग

दिनांक : 24.02.2020

एलुमनी सम्मेलन
पुराने साथियों से मिलकर किया धमाल

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय एलुमनी सम्मेलन का आयोजन किया गया। पिछले तीन दशकों की पूर्व छात्राओं ने इसमें उत्साह से भाग लिया। अपनी पुरानी सहेलियों से मिलकर जहाँ उत्साह हुआ वहीं आखें नम भी हो गई। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि प्रतिवर्ष सत्रांत में एलुमिनी संगठन का मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

ये वो पल है जिसमें महाविद्यालय की पूर्व छात्राएँ जो आज नौकरी , व्यवसाय और गृहणी के रूप में समाज के विभिन्न क्षेत्रों तथा शहरों में अपनी प्रतिभा बिखेर रही है। वर्षों बाद महाविद्यालय आकर पुराने सहपाठियों, शिक्षकों तथा स्टॉफ से मिलकर स्मृतियों को ताजा करती है।

कार्यक्रम के आरंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि विगत 37 वर्षों की विकासयात्रा में इस महाविद्यालय की छात्राओं की अहम भूमिका रही है। शिक्षा–ज्ञान, खेलकूद के क्षेत्र में नाम रौशन करने वाली छात्राएँ आज भी महाविद्यालय को गौरवान्वित कर रही है।

महाविद्यालय को एलुमनी संगठन द्वारा हमेशा सहयोग दिया जाता है। विगत वर्षों से छोटी बहन छात्रवृत्ति योजना तथा ब्यूटीशियन एवं कुकिंग, गृहसज्जा के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में पूर्व छात्राओं ने विशेष सहयोग दिया है जो अनुकरणीय है।

कार्यक्रम में उपस्थित जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा ने अपने महाविद्यालय में बिताए छात्रजीवन के संस्मरण सांझा किए। उन्होनें अध्यक्ष के रूप में पूर्व छात्रा होने के नाते अपनी जवाबदारी में कोई कमी नहीं आने की बात कही और महाविद्यालय के विकास में नई योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी दी।

इस अवसर पर महाविद्यालय द्वारा विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त पर छात्राओं को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के शोधकेन्द्र से 1992 में पी.एचडी. उपाधि प्राप्त प्रथम शोध छात्र डॉ. अशोक सेमसंग का सम्मान किया गया। साहित्य क्षेत्र में उनकी कई पुस्तके प्रकाशित हो चुकी है। उन्होनें अपनी कविता के माध्यम से संस्था का आभार व्यक्त किया।

अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी वेटलिफ्टर निशा भोयर का भी सम्मान किया गया। उन्होनें कई अर्न्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक हासिल कर संस्था को गौरवान्वित किया है।

उन्होनें अपने सम्मान से अभिभूत होकर कहा कि संघर्ष के दौर में कोई साथ दे न दे मेरे शिक्षक हमेशा प्रोत्साहित करते रहे है। लगन व निष्ठा ने मुझे सफलता दिलाई तो वहीं महाविद्यालय से भी मैनें बहुत कुछ सीखा है, प्रेरणा मिली है।

फैशन डिजाईनिंग एवं मॉडलिंग के क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुकी तथा इस क्षेत्र में अग्रणी संस्था में प्राचार्य का दायित्व संभालने वाली कु. रिमशा लाकेश को भी प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उन्होनें भी अपने शिक्षकों एवं सहपाठियों के साथ को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रोत्साहन ही श्रेष्ठता को पाने का मूलमंत्र है।

एलुमनी संगठन के इस कार्यक्रम में 90 पूर्व छात्राओं ने हिस्सा लिया जिसमें छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों से आई छात्राओं के साथ नागपूर, भोपाल एवं जबलपुर से भी छात्राओं ने शिरकत की जो प्रसंशनीय है। सभी ने अपने–अपने संस्मरण सुनाए जिन्हें सुनकर कई बार आंखे नम हो गई।

जांजगीर के शासकीय महाविद्यालय में प्राध्यापक डॉ. रेखा कश्यप ने अपने संस्मरण सुनाए तो व्यवसाय के क्षेत्र में सफल कु. अर्पणा ने महाविद्यालय के प्रशिक्षण कार्यक्रमों विशेषकर कौशल विकास के कार्यक्रमों को मील का पत्थर बताया।

कार्यक्रम में नृत्य व गीतों के माध्यम से पूर्व छात्राओं ने धमाल मचाया तो वहीं उनके स्वागत में वर्तमान छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

छत्तीसगढ़ी गीतों पर थिरके तो पुराने गीतों ने तो माहौल को खुशनुमा बना दिया। एक–दूसरे से मिलने, गप्पे मारने और सेल्फी के साथ ही शिक्षकों एवं मित्रों के साथ भोजन करना एक अविस्मरणीय क्षण रहा। सभी ने कहा फिर मिलेंगे और मिलते रहेगें।

कार्यक्रम में डॉ. ज्योति भरणे, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े, डॉ. मोनिया राकेश ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

दिनांक : 14.02.2019

एलुमनी सम्मेलन
पुरानी सहेलियों ने की यादें सांझा

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में एलुमनी सम्मेलन का आयोजन किया गया।

अस्सी एवं नब्बे दशक से लेकर कुछ वर्ष पूर्व की छात्राओं ने उपस्थिति दर्ज कराकर महाविद्यालय की यादों को ताजा किया।

सम्मेलन के शुभारंभ पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने पूर्व छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा कि इतनी बड़ी संख्या में आपकी उपस्थिति ने यह प्रमाणित कर दिया कि हमारी संस्था ने आपको केवल शिक्षा ही नहीं दी है संस्कार और प्रेम भी दिया है। इतने वर्षों बाद हमें अपने महाविद्यालय में आकर जो सुखद अनभूति होती है वह अविस्मरणीय होती है। वहीं हम वर्तमान में संस्था के विकास से परिचित होते है। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आपने कीर्तिमान गढ़े है वो सभी हमारी अमूल्य निधि है।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ0 मीनाक्षी अग्रवाल ने एलुमनी संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला और इसके महत्वपूर्ण उद्देश्यों से परिचित कराया।

सभी पूर्व छात्राओं ने अपना परिचय दिया और अपनी स्मृति को टटोला। पिछेल सत्र में एलुमनी संगठन द्वारा प्रारंभ की गयी 'छोटी बहन' छात्रवृत्ति के लिए इस सत्र की 10 छात्राओं को सम्मान राशि प्रदान की गयी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. रेश्मा लाकेश ने जो स्वयं इस महाविद्यालय की छात्रसंघ अध्यक्ष रह चुकी है ने महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों एवं विकासयात्रा का जिक्र किया। वहीं बिताए गए पुराने क्षणों की बेहद भावानात्मक प्रस्तुति दी। भूतपूर्व छात्राओं में श्रीमती बिन्दु, श्रीमती ममता खनुजा, कु. करिश्मा, कु. नेहा साहू ने अपने संस्मरण प्रस्तुत किये।

जब पूर्व छात्राओं की बारी आयी तो यादों को कुरेदते हुए आंखे नम हो गयी। बिछुड़ी सहेलियों को याद करते हुए गला भी रूंध गया। सम्मेलन में उपस्थित पुरानी सहेलियों अपनी—अपनी बातों में इतना उलझी की समय ही बीत गया पता नहीं चला।

इस बीच वर्तमान छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा पूर्व छात्राओं ने भी गीत प्रस्तुत कर माहौल को खुशनुमा कर दिया। गीतों पर थिरके भी तो ठहाके लगाने में भी कमी नहीं की।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्रसंघ के पदाधिकारियों ने भी बड़ी संख्या में हिस्सेदारी की। फोटो ग्रुपिंग व सेल्फी के साथ पूर्व छात्राओं ने फिर मिलने की चाह में बिदा हुई।

आभार प्रदर्शन श्रीमती ज्योति भरणे ने किया।

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls P.G. College, Durg
ALUMNI

Govt. Dr. W.W. Patankar Girls

दिनांक : 03.02.2018

एलुमनी सम्मेलन में मिली पुरानी सहेलियाँ

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एलुमनी सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें 30 वर्ष पुरानी सहेलियाँ जब मिली तो उनकी खुशी देखते ही बनती थी। 1988, 1993, 1996, 1997 तथा 2005, 2010, 2013 बैच की अधिकांश छात्राएँ इसमें शामिल हुई।

कार्यक्रम की संयोजक श्रीमती ज्योति भरणे ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष के एलुमनी सम्मेलन में बड़े उत्साह के साथ पुरानी छात्राएँ शामिल हुई। पूर्व छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए वहीं अपने अनुभव सांझा किए। भूतपूर्व छात्राओं ने विगत सत्र से प्रारंभ छोटी बहन छात्रवृत्ति योजना के विस्तार का भी निर्णय लिया गया।

जगदलपुर, रायपुर, राजनांदगांव, रायगढ़, बिलासपुर, भिलाई, अंबाला से छात्राएँ शामिल हुई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी अपने संबोधन में कहा कि यादों की सुखद अनुभूति के साथ हम संस्था के प्रति अपने लगाव को भी उपस्थिति के माध्यम में इस तरह के आयोजन में प्रकट करते है। आप लोगों के द्वारा अध्ययन जारी रखने के लिये जरूररतमंद छात्राओं की मदद करना सराहनीय है।

वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने भी अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय बॉडी बिल्डर स्पर्धा में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली निशा भोयर का सम्मान किया गया जो इस महाविद्यालय की छात्रा रह चुकी है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया।

दिनांक : 21.12.2017

एलुमनी संगठन ने दी छोटी बहन छात्रवृत्ति

शा. डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भूतपूर्व छात्राओं के संगठन 'एलुमनी एशोसिएशन ने' अपने सम्मेलन में ''छोटी बहन' छात्रवृत्ति योजना की घोषणा की थी। जिसके लिए पांच छात्राओं का चयन किया गया। महाविद्यालय द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर पांच छात्राओं को इसके लिए चयन किया गया जिन्हें आज 'छोटी बहन' छात्रवृत्ति प्रदान की गयी। उल्लेखनीय है कि इन छात्राओं को प्रवेश शुल्क एवं परीक्षा शुल्क, कॉलेज बैग तो प्रदान किया जाता है उन्हें एक हजार रूपये की नगद राशि दी गयी। एलुमनी संगठन ने बताया कि नये सत्र से अधिक छात्राओं को इसका लाभ दिया जायेगा।

एक समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को चेक प्रदान किया। अपने उद्बोधन में उन्होनें कहा कि सामाजिक दायित्व के अन्तर्गत संगठन एवं संस्थाएँ विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देती है जो अनुकरणीय है।

कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. अमिता सहगल, डॉ. के.एल. राठी, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं छात्राएँ उपस्थित थी।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ज्योति भरणे ने किया।